

## अध्याय-9

### निगरानी तंत्र

#### 9.1 निगरानी तंत्र

अपनी क्षमता संवर्धन योजनाओं, मांगों को संरक्षित एवं सुपुर्दगी के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए भेल द्वारा अपनाए गए निगरानी तंत्र के विशेष तत्वों पर चर्चा नीचे की गई है।

##### 9.1.1 क्षमता संवर्धन योजनाओं की निगरानी

क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों का अनुमोदन करते समय निदेशक मण्डल ने निदेश दिया (मई 2007) कि समय और लागत व्यर्थ किए बिना समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए इन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा निदेशक समिति द्वारा की जानी चाहिए। भेल ने क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए कार्पोरेट कार्यालय को यूनिट द्वारा मासिक सूचना रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की शुरुआत की (जुलाई 2007)। जहाँ भी मासिक सूचना रिपोर्ट की समीक्षा के परिणामस्वरूप विलम्ब हुआ था यूनिटों को सुधारात्मक कार्रवाई करने का परामर्श दिया गया। लेखापरीक्षा ने चरण II एवं चरण III के अन्तर्गत कार्यान्वित कुल 22 योजनाओं में से लेखापरीक्षा के लिए चयनित 17 योजनाओं के कार्यान्वयन में 7 और 62 माह के बीच विलम्ब पाया जैसाकि तालिका 34 में दर्शाया गया है।

तालिका 34

विलम्ब की अवधि	योजनाओं की संख्या
7-12 माह	1
12-24 माह	2
24-36 माह	9
36-62 माह	5
<b>जोड़</b>	<b>17</b>

जैसाकि ऊपर पैरा 4.5 एवं 5.1 में चर्चा की गई है, निम्नलिखित नियंत्रण योग्य कारकों के कारण भी विलम्ब हुआ:

- मांग पूर्व गतिविधियों को पूरा करने में विलम्ब अर्थात 14 मामलों में तकनीकी मानदण्डों एवं उपस्करों के कार्य में बदलाव (एचइडपी हरिद्वार: 10 मामले, इडीएन, बेंगलोर: एक मामला एवं टीपी झांसी: तीन मामले)
- भेल के मानदण्डों के संबंध में बोलीदाताओं द्वारा दिए गए तकनीकी मानदण्डों में असमानता के कारण तकनीकी मामलों को सुलझाने में विलम्ब क्योंकि 15 मामलों (एचइडपी, हरिद्वार: आठ मामले, टीपी झांसी: पांच मामले एवं एचइपी, भोपाल दो मामलों) में भेल/ विक्रेताओं द्वारा स्पष्टीकरण प्राप्त करने और प्रस्तुत करने में पर्याप्त समय लिया गया था।

- सभी 174 चयनित मामलों में मशीनों की स्थापना और शुरू करने के लिए विक्रेताओं के लिए लक्ष्य निर्धारित न करने के कारण मशीनों को शुरू करने में विक्रेता द्वारा लिए गए प्रत्याशित समय से अधिक समय लगा।
- 17 योजनाओं में से 7 के कार्यान्वयन में क्षतिग्रस्त उपस्कर को बदलने में विलम्ब हुआ।

प्रबंधन ने कहा (अप्रैल 2013) कि सुधारात्मक कार्य के साधन के रूप में उन्होने यूनिट प्रमुखों एवं प्रबंधन समिति के स्तर पर नियमित आधार पर क्षमता संवर्धन स्थिति की समीक्षा की। प्रबंधन ने यह भी कहा (सितम्बर 2013) कि मई 2012 में नए दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन द्वारा प्रणाली में सुधार किया गया है जो भविष्य में विलम्बों को रोकने के लिए मशीनों के निर्माण और उन्हें शुरू करने के लिए पूर्व योग्यता मानदण्ड और समय अवधि को सुदृढ़ करेगा।

तथ्य यह है कि यहां क्षमता संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन को शीघ्र सम्पादित करने की गुंजाइश इस सीमा तक थी कि जिन कारकों के कारण विलम्ब हुआ उनको नियंत्रित करना सम्भव था जैसाकि उल्लर कहा गया है। तथापि, लेखापरीक्षा ने प्रणालियों को सुधारने के लिए प्रबंधन द्वारा की गई कार्रवाई की प्रशंसा की।

### 9.1.2 सुरक्षा की निगरानी और आदेशों की सुपुर्दगी

भेल द्वारा विभिन्न स्रोत अर्थात् सीईए, ग्राहक, मीडिया रिपोर्ट, कोयला लिंकेज/ पर्यावरण संस्वीकृतियों, ग्राहकों के विस्तारण योजना से प्राप्त इनपुटों के आधार पर संभावित परियोजनाओं की एक व्यापक सूची तैयार की गई है। तत्पश्चात विभिन्न कारकों की प्रगति के आधार पर, इन परियोजनाओं को मूर्त रूप देने की संभावना तैयार की गई ताकि इन परियोजनाओं के लिए नीलामी हेतु पहले से ही योजना बनाई जा सके। ऐसे तैयार की गई परियोजनाओं की सूची को मासिक प्रबन्धन समिति बैठक (एमसीएम), जिसकी अध्यक्षता सीएमडी, भेल द्वारा की गई थी एवं जिसमें सभी ईकाईयों तथा कार्यक्रमों के अध्यक्षों द्वारा भाग लिया गया है, के कार्यक्रम में सम्मिलित की गई थी। एमसीएम के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा उनके अपने सम्पर्कों के माध्यम से इनपुट भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें नियमित स्थिति रिपोर्ट में शामिल किया गया है।

आदेश जिनको उपरोक्त प्रक्रिया (नीलामी/वार्ता) के पश्चात कार्यान्वित किया गया, को अद्यतित "आदेश बुकिंग शीट" द्वारा सूचित किया गया है जिसकी निगरानी मासिक आधार पर निदेशक (ऊर्जा) मुख्य कार्पोरेट योजना एवं विकास, मुख्य कार्पोरेट वित्त, एमसीएम सदस्यों एवं सीएमडी द्वारा की जाती है। एक मासिक रिपोर्ट भी संमीक्षा के लिए मंत्रालय को भेजी जाती है। भेल की कार्पोरेट वित्त शाखा त्रैमासिक/वार्षिक परिणामों के लिए पीएस-विपणन एवं अन्य व्यापार क्षेत्रों से इनपुटों के आधार पर समेकित आदेश पुस्तिका तैयार करती है।

इसके अतिरिक्त ऊर्जा उपयोगिताओं को महत्वपूर्ण उपकरणों की आपूर्ति की प्रगति की समीक्षा भेल से प्राप्त मासिक प्रगति रिपोर्ट के माध्यम से मंत्रालय द्वारा की जाती है। मंत्रालय भी ऊर्जा मंत्रालय और संबंधित ग्राहकों (सीईबीज़/पीएसयूज़) के साथ-साथ परियोजनाओं की प्रगति की आवधिक समीक्षा करता है।

जैसा कि उपरोक्त पैरा 6.1 में चर्चा की गई है, 2007-12 के दौरान मुख्य रूप से नियंत्रित किये जा सकने वाले कारकों जैसे उपकरणों के विभिन्न मॉड्यूल/भागों की आपूर्ति के लिए भेल के आन्तरिक कार्यक्रमों का पालन न करना, अभियंत्रिकी डिजाइनों को अन्तिम रूप देने में विलम्ब, भेल के अपने सुपुर्दगी कार्यक्रम के बाद उप-विक्रेताओं की सुपुर्दगी अवधि को स्वीकार करना, माँग सूची बनाने एवं मांगसूची को क्रय आदेशों में बदलने में विलम्ब के कारण भेल द्वारा आपूरित 151 सेटों में से ग्राहकों को 126 सेटों की सुपुर्दगी 7 से 68 महीनों (विस्तृत ब्यौरे पैरा 6.1 में) तक की अवधि के लिए विलम्बित थी।

लेखापरीक्षा ने पाया कि विद्युत क्षेत्र परियोजनाओं के लिए भागों की विलम्ब से की गई सुपुर्दगी के परिणाम स्वरूप ग्राहकों के पूरे न किये गए आदेशों का ढेर बढ़ते हुए अप्रैल 2007 में 151 से मार्च 2011 के अन्त तक 230 हो गया जो मार्च 2012 को 197 तक नीचे आया जैसा कि तालिका 35 में दर्शाया गया है।

### तालिका 35

वर्ष	आदेशों का हस्तगत अथ शेष	वर्ष के दौरान प्राप्त आदेश	वर्ष के दौरान सुपुर्द किये गए आदेश	अंत शेष
2007-08	151	50	36	165
2008-09	165	40	26	179
2009-10	179	51	11	219
2010-11	219	38	27	230
2011-12	230	18	51	197
<b>जोड़</b>		<b>197</b>	<b>151</b>	

मार्च 2012 को आदेशों के अंतशेष में कमी आंशिक रूप से पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में आदेशों को कम अंतर्वाह के कारण थी।

प्रबन्धन ने बताया कि (सितम्बर 2013) एक परियोजना के अन्तर्गत सुपुर्दगियाँ लगभग 8/10 महीने से 33/36 महीने की अवधि में फैली हुई हैं। इसलिए यह निर्णय करना कठिन था कि वर्ष के दौरान आदेशों का ढेर जमा था जैसा कि तालिका 35 में दर्शाया गया था।

उत्तर को इस तथ्य के प्रति देखा जा रहा है कि 2007-09 के दौरान प्राप्त 90 आदेशों के साथ अप्रैल 2007 को बकाया पड़े 151 आदेशों के अथशेष की सुपुर्दगी के लिए प्रबन्धन द्वारा दर्शाये गए 36 महीने की अधिकतम अवधि को ध्यान में रखते हुए मार्च 2012 तक सुपुर्दगी अपेक्षित थी। 241 आदेशों (151+ 90) के प्रति, जिनकी 2007-12 के दौरान सुपुर्दगी अपेक्षित थी, केवल 151 आदेश सुपुर्द किये गए थे जो धीमी सुपुर्दगी दर तथा आदेशों के बढ़ते जमा को दर्शाता है।

अतः परियोजनाओं/आदेशों की तीव्र सुपुर्दगी की संभावना थी।